समय : २½ घंटे **पूर्णांक : ७५**

सूचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

३. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक व उप क्रमांक अवश्य लिखें |

प्रश्न १. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए | **(३०)**

(क) रांम नाम जपिवो श्रवननि सुनिबौ |
सलिल मोह मैं वहि नहीं जाइबौ ||टेक||
अकथ कथ्यौ न जाइ | कागद लिख्यौ न माइ ||१||
रांम माता रांम पिता रांम सबै जीव दाता |
भणत नामईयौ छीपौ | कहै रे पुकारि गीता ||२||

अथवा

तूं अगाध बैकुंठ नाथा | तेरे चरनौ मेरा माथा || टेक ||
सरवे भूत नानां पेषु | जत्र जाऊं तत्र तूं ही देषु ||
जल थल मही थल काष्ट पषानां |
आगम निगम सब वेद पुरानां ||२||
मैं मनिषा जनम निरबंध ज्वाला |
नामां का ठाकुर दीन दयाला ||३||

(ख) सुख रत्ती भर, दुःख है मन भर |
सुख पाहतां जवा पाडें | दुःख पर्वता एवढे ||१|
धरीं धरीं आठवण मानीं संतांचे वचन ||२||
नेलें रात्रिनें ते अर्ध | बालपण जरा व्याध ||३||
तुका म्हणे पुढा | जुन्ती जसी मुढा ||४||

अथवा

क्यों छोड़ा है गुण से नाता ?
झाड कल्पतरु | न करी याचकी आव्हेरू ||१||
तुम्ही सर्वा सर्वोत्तम | ऐसे विसरतां धर्म ||२||
परिसा तुमचे देणें | तो त्या जागे अभिमानें ||३||
गार्हाण्यानें तुका | गर्जे मारुनियां हाका ||४||

प्रश्न २. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए | **(३०)**

(च) संत नामदेव की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए |

अथवा

संत नामदेव की भक्ति में सगुन और निर्गुण दोनों धाराओं का समन्वय हुआ है, इस कथन पर प्रकाश विस्तार से लिखिए |

33048B84DCCEC80DF572C37E53F870F0

(छ) संत तुकाराम के काव्य में तत्कालीन समय के समाज के दर्शन होते है, उदहारण सहित समझाइए |

अथवा

संत तुकाराम का काव्य समाज सुधार का काव्य है स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न ३. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए | **(१५)**

(त) वारकरी संप्रदाय का स्वरूप |

(थ) संत नामदेव की भक्ति भावना |

(द) तुकाराम गाथा में समाज हित और राष्ट्र हित |

(ध) संत तुकाराम के काव्य में नवधा भक्ति |

33048B84DCCEC80DF572C37E53F870F0